

He Gazette of India

घसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II--- लपड 3---- उपलप्ड (ii)

PART II--Section 3-Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 428] नई विल्लो, वृहस्पतिबार, प्रगस्त 19, 1971/आवण 28, 1893 No. 428] NEW DELHI, THURSDAY, AUGUST 19, 1971/SRAYANA 28, 1893

इस भाग में भिन्न पुष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह ग्रलग संकलन के रूप में रखा जा सके ।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filled as a separate complication

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT

ORDER

New Delhi, the 19th August 1971

S.O. 3019/18A/IDRA/71.—In exercise of the powers conferred by clause (b) of \$15121.01(1) of \$2510134 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Department of Social and thereby makes the following further amendments in the notified order of the Government of India in the late Ministry of Industrial Development and Company Afairs (Department of Industrial Development) No. 5052/18/IDRA/69, dated the 26th December 1953 (as a nonled from time to time), namely:—

In the said Order,-

- (a) in paragraph 1, for the words and brackets "the body of persons (in this Order referred to as the 3 part of Management)" the words "the Uttar Pradesh State Sugar Corporation Limited" shall be sutituted;
- (b) paragraph 2 shall be onitted and paragraphs 3 and 4 shall be re-numbered as paragraphs 2 and 3 respectively;
- (c) in paragraph 2 as so re-numbered, the words "and fees, allowances, etc, to be paid to the Chairman, and members of the Board of Management and the Board of Management shall comply with such directions" shall be omitted.

[No. F. 9(9) Lic. Pol./69]

S. K. SAHGAL Jt. Secy.

श्रीद्यं गिक विकास मंत्रालय

गादेश

नई दिल्या, 19 आगस्त, 1971

का० आ० 3029/18ए/आई डो आएए/71 — उद्योग (विकास आँर विधिमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) को धारा 18क की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त मक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय संग्वार, भारत संग्कार के भूतपूर्व औद्योगिक विकास और कम्पनी कार्य मंत्रालय (आद्योगिक विकास विभाग) के (समय समय पर यथा-संगोधित) अधिसुचित आदेश सं० 5052/18/आई० डी० आर० ए०/69, तारीख 26 दिसम्बर, 1969 में एतद्दारा निम्नलिखित और संगोधन करती है अर्थास् —

उक्त आदेश में.---

- (क) पैरा 1 में, "व्यक्ति निकाय (जिसे इस श्रादेश में प्रत्रंध बोर्ड कहा गया है) शब्दों श्रीप कोष्ठकों के स्थान पर "उत्तर प्रदेश स्टेट शूगर कारपोरेशन लिमिटेड" गब्द प्रतिस्थापित किए आएंगे;
- (ख) पैरा 2 लुप्त कर दिया जाएगा भौर पैरा 3 भौर 4 कमणः पैरा 2 भौर 3 के रूप में पुनः संख्यांकित किए जाएंगे;
- (ग) इस प्रकार पुन: संस्थाकित पैरा 2 में से, "श्रीर प्रवंध बोर्ड के श्रध्यक्ष श्रीर सदस्यों को देय फीस, भत्ते, श्राद्य श्रीर प्रवंध बोर्ड ऐसे निदेशों का श्रनुपालन करेगा" शब्द लुप्त कर दिए जायेंगे।

[सं० फा० 9(9)एलग्नाईसी० पीम्रोएल/69] एस० के० सहगल, संयुक्त सचिव।